***Date*:** 29-11-2021
***Publication*:** Rashtriya Sahara
***Edition*:** Patna

कोल इंडिया ने बिजली क्षेत्र को बढ़ाई कोयला आपूर्ति

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) की बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में 22.7 प्रतिशत बढ़कर 29.17 करोड़ टन पर पहुंच गई। कोल इंडिया की अक्टूबर माह के लिए मंत्रिमंडल को दी गई संक्षिप्त रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 23.77 करोड़ टन रही थी।

पिछले महीने के दौरान भी कोल इंडिया की बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 21.7 प्रतिशत बढ़कर 4.76 करोड़ टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.91 करोड़ टन से अधिक थी। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा इस क्षेत्र को सात महीनों में ईंधन आपूर्ति 66 प्रतिशत बढ़कर 3.06 करोड़ टन हो गई, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में यह 1.84 करोड़ टन थी। एससीसीएल द्वारा बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति पिछले महीने अक्टूबर, 2020 के 33.2 लाख टन से 41.7 प्रतिशत बढ़कर 47.1 लाख टन हो गई। कोल इंडिया का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है।

- अप्रैल से अक्टूबर के दौरान 23 फीसद की वृद्धि
- इस अवधि में कुल आपूर्ति 29 करोड़ टन से ज्यादा
- सिर्फ अक्टूबर में ही 22 फीसद बढ़ी कोयला सप्लाई
- अप्रैल से अक्टूबर के दौरान एससीसीएल से आपूर्ति 66% बढ़ी
- घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का 80% योगदान
- कंपनी का 2023-24 तक एक अरब टन उत्पादन का लक्ष्य

कोल इंडिया का 2023-24 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है। कंपनी 2023-24 तक कोयला निकासी, खोज और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों से संबंधित परियोजनाओं में 1.22 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी। इस प्रस्तावित खर्च में से कोल इंडिया ने 2023-24 तक कोयला निकासी पर 32,696 करोड़ रुपए, खदान के बुनियादी ढांचे पर 25,117 करोड़ रुपए और परियोजना विकास पर 29,461 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है।

कंपनी विविधीकरण और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों पर 32,199 करोड़ रुपए, सामाजिक ढांचे पर 1,495 करोड़ रुपए और खोज कार्यों पर 1,893 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कुल 500 परियोजनाओं के लिए 1.22 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

***Date*:** 30-11-2021
***Publication*:** The Financial Express
***Edition*:** Kochi

COAL INDIA RATING: **BUY**

Rise in e-auction premiums is a positive

FY22 despatch guidance revised upwards; stock is attractively valued; price hike in offing; TP raised to ₹200; 'Buy'maintained

COAL'S Q2FY22 E-AUCTION premiums were disappointing. However, the management highlighted that the current premium is over 50% compared to the 15.3% reported in its Q2FY22 result. It has re-started e-auction to non-regulated sectors, which should result in improved profitability. Mgmt expects a price hike to offset an increase in wages, given the current strong demand environment and high international coal prices.

The stock trades at 3.4x/3x FY22e/FY23e EV/Ebitda, with an attractive dividend yield of 11%. We value the stock at 4x FY23e EV/Ebitda with a TP of ₹200. We maintain our **Buy** rating, with a revised TP of ₹200/share (from ₹185 earlier). A surge in coal demand from the Power sector, which could squeeze supplies to non-regulated sectors through e-auctions, remains a key risk as it could hurt profitability.

Guidance for FY22 revised upwards

Its dispatch guidance for FY22 has been increased to 660-670mt compared to its previous guidance of ~640mt. This is in light of a recovery in demand, especially from the power sector. With a recovery in demand from the power sector, supplies to non-regulated sectors had been squeezed. The same has now begun to recover as both production and dispatches have improved post monsoon.

Our FY22 e-auction ASP at ₹1,650 is conservative, considering Q2 e-auction ASP of ₹1,594/t (a 15.3% premium over FSA prices), while the current premium over FSA is ~50%. We see scope for an upward revision to our FY22 estimate, if current e-auction premiums sustain, provided volumes pick up.

e-auction volumes and premium have been impacted due to a surge in Power demand

Source: MOFSL, Company

Price hikes to offset wage cost push

COAL last raised prices in FY18. With wage negotiations underway, we expect COAL to immediately announce a price hike, which should cover the higher wage bill and leave room for margin improvement. Receivables have improved to ₹120 bn from ₹180 bn at the end of FY21, thus improving its liquidity position. COAL now carries a cash balance of ~₹300 bn.

The stock is attractively available at 3.4x/3x FY22e/FY23e EV/Ebitda. While demand is likely to improve post monsoon, the second half of the fiscal is generally stronger compared to the first half for COAL. The strong dividend yield of ~11% supports the downside.

MOTILAL OSWAL

Date: 30-11-2021
Publication: The Financial Express
Edition: Mumbai

Coal India interim dividend to enrich govt by ₹3,667 cr

THE GOVERNMENT WILL receive around ₹3,667 crore as an interim dividend from Coal India (CIL) for the 2021-22 fiscal, a company official said on Monday. The PSU announced a 90% interim dividend for FY22, and the total outgo for this will be ₹5,546 crore.

In a regulatory filing, CIL said the board in its meeting held on Monday, approved payment of interim dividend for FY22 at ₹9 per share of the face value of ₹10 as against ₹7.5 per share announced last year. The government holds a 66.13% in Coal India.

"... the rest will go to other categories of investors," Coal India director (finance) Samiran Dutta said. — PTI

***Date*:** 30-11-2021
***Publication*:** Dainik Jagran
***Edition*:** Dhanbad

कोल इंडिया तीन साल में उत्पादन और विकास पर खर्च करेगी 35,587 करोड़

स्वच्छ कोयला में 32,199, सामाजिक ढांचे पर 1,495 करोड़ खर्च का लक्ष्य

आशीष अंबष्ठ • धनबाद

देश के विकास में बिजली का उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। उसी के तहत पावर प्लांटों में कोयला की मांग लगातार बढ़ रही है। उस मांग को पूरा करने का दिशा में कोयला मंत्रालय ने वर्क प्लान तैयार किया है। कोयला मंत्रालय ने मंत्रीमंडल समूह को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा है कि कोल इंडिया चालू वित्त वर्ष अप्रैल से अक्टूबर में उत्पादन के क्षेत्र में 22.7 फीसदी से बढ़कर 29.17 फीसद तक पहुंच गई है।

पिछले वित्त वर्ष में इस अवधि के दौरान यह आंकड़ा 23.77 फीसद ही था। कोल इंडिया एक अरब टन कोयला उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। इसी के तहत वर्क प्लान तैयार किया है। फिलहाल कोल इंडिया करीब 610 मिलियन टन कोयला उत्पादन लक्ष्य के साथ काम कर रही है। मंत्रालय की ओर से 700 मिलियन टन कोयला उत्पादन लक्ष्य दिया गया है। अब तक कोयला इंडिया 400 मिलियन के करीब पहुंच पाई है। कोल इंडिया ने वर्क प्लान के तहत एक अरब टन कोयला उत्पादन व डिस्पैच लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगभग 35,587 करोड़ राशि खर्च करेगी। इसमें बुनियादी ढांचे पर 25,177 करोड़ रुपये व परियोजना विकास 29,461 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार स्वच्छ कोयला परियोजना में 32,199 करोड़ व सामाजिक ढांचे पर 1,495 करोड़ रुपये व शोध व अन्य कार्यों पर 1,893 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

इस साल 17 हजार करोड़ होगा खर्च : कोल इंडिया चालू वित्त वर्ष में 17 हजार करोड़ रुपये का पूंजी व्यय करने की योजना के साथ काम कर रही है। कोल इंडिया ने 17 हजार करोड़ में करीब सात हजार करोड़ रुपये मशीन खरीदारी सहित अन्य मद में अब तक खर्च किया गया है। वहीं बीसीसीएल इस मद में करीब 843 करोड़ राशि इस साल खर्च करेगी। जिसमें करीब 350 करोड़ रुपये की मशीन खरीदारी कर ली गई है।

ईसीएल के डीटी बी वीरा रेड्डी एक फरवरी को कोल इंडिया डीटी पद का लेंगे प्रभार : ईस्टर्न कोलफील्ड्स के बी वीरा रेड्डा एक फरवरी को कोल इंडिया डीटी पद का प्रभार ग्रहण करेंगे। कोयला मंत्रालय ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। 30 जनवरी को मौजूदा डीटी विनय दयाल सेवानिवृत हो रहे हैं। कोल इंडिया तकनीकी निदेशक के लिए सात अधिकारियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था, जिसमें रेड्डी का चयन किया गया। अगस्त में चयन की प्रक्रिया पूरी गई थी। चयनित ईसीएल के तकनीकी निदेशक बी वीरा रेड्डा 1987 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से माइनिंग की पढ़ाई करने के बाद सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी में 32 साल तक काम किया। उन्होंने एक जनवरी 2020 को ईसीएल में तकनीकी निदेशक पद पर चयन होने के बाद योगदान दिया था।

- बीसीसीएल की उत्तर व दक्षिण तिसरा प्रोजेक्ट
- सीसीएल बोकारो बेरमो सीम, कर्मा, कथरा
- ईसीएल नया केंदा
- एमसीएल बसुंधरा वेस्ट विस्तार, आम्वेड
- एसईसीएल जगन्नाथपुर आरसीई, करताली, सरायपाली, बागेदवा आदि शामिल है।

> इस साल 17 हजार करोड़ राशि कोल इंडिया पूंजी व्यय के मद में खर्च कर रही है। एक अरब टन कोयला उत्पादन व डिस्पैच करने में वर्क प्लान के साथ काम हो रहा है। आने वाले समय में इस अच्छे परिणाम देखने को मिलेगा। कोल इंडिया काफी तेजी से सकारात्मक ग्रोथ के साथ आगे बढ़ रही है। नए प्रोजेक्ट भी खोले जाएंगे।
>
> **प्रमोद अग्रवाल**, कोल इंडिया चेयरमैन

Date: 30-11-2021
Publication: The Telegraph
Edition: Kolkata

CIL dividend

CALCUTTA: The government will receive around Rs 3,667 crore as an interim dividend from Coal India for the current 2021-22 fiscal, a company official said on Monday. CIL announced a 90 per cent interim dividend for 2021-22, and the total outgo for the purpose will be around Rs 5,546 crore, he said. PTI

***Date*:** 01-12-2021
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Dhanbad

कोल इंडिया 19,650 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली। कोल इंडिया अपने रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनुमानित रूप से 19,650 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस कदम से वित्त वर्ष 2023-24 तक रेलवे के माध्यम से कंपनी की कोयला निकासी क्षमता में और 33 करोड़ टन प्रतिवर्ष की वृद्धि होगी।

Date:01-12-2021
Publication: The Times of India
Edition: Chennai

Coal India draws up ₹20k-cr railway infra plan to boost supplies

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Coal India Ltd will invest nearly ₹20,000 crore in rail infrastructure with an aim to raise annual transportation capacity by an additional 330 million tonne over the next three years, as the world's largest coal miner chases an annual production target of a billion tonne. In addition to reducing transportation of coal by road, the projects will allow quicker despatch of emergency supplies and prevent recurrence of fuel shortage at power plants, as was seen in the July-September period.

The move also indicates that coal will remain king in India in the foreseeable future as a source of affordable power as the country works towards lifting millions of citizens out of poverty.

Around ₹7,994 crore will be spent on constructing three railway lines for CCL (Central Coalfields Ltd) and MCL (Mahanadi Coalfields Ltd) mines. These projects will enhance transportation capacity by 170 million tonne per year (mtpa). An additional capital outlay of ₹11,656 crore has been earmarked for projects in joint venture with railways PSUs and the governments of Chhattisgarh, Jharkhand and Odisha to move 160 mtpa of coal. CIL has 64% stake in the ventures. A company statement on Tuesday said some of these projects are already operational and the planned investment would help improve dispatch from new and expanded capacity of existing mines.

TARGET-ORIENTED: Around ₹7,994 crore will be spent on constructing three railway lines for Central Coalfields Ltd and Mahanadi Coalfields Ltd mines

Full report on www.toi.in

***Date*:** 02-12-2021
***Publication*:** Prabhat Khabar
***Edition*:** Ranchi

कोल इंडिया का उत्पादन नवंबर में 4% बढ़ कर 5.38 करोड़ टन पर

नयी दिल्ली. सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि (सीआइएल) का कोयला उत्पादन नवंबर में चार प्रतिशत बढ़ कर 5.38 करोड़ टन पर पहुंच गया. एक साल पहले समान महीने में कंपनी का उत्पादन 5.17 करोड़ टन रहा था. चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह अप्रैल-नवंबर में कंपनी का उत्पादन बढ़ कर 35.34 करोड़ टन रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 33.45 करोड़ टन रहा था. देश के कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक की है.

***Date*:** 02-12-2021
***Publication*:** Free Press Journal
***Edition*:** Mumbai

Coal India production rises 4% to 53.8 million tonne in November

The production of state-owned Coal India rose by 4 per cent to 53.8 million tonnes in November compared to 51.7 million tonnes in the same month a year ago, a regulatory filing said on Wednesday. The company's output in the April-November period also increased to 353.4 MT from over 334.5 MT in the year-ago period, the filing said.

***Date*:** 04-12-2021

***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Sonbhadra

हिन्दुस्त

2.1 मिलियन टन अधिक हुआ कोयला उत्पादन

रफ्तार

अनपरा | संवाददाता

कोल इंडिया ने नवम्बर माह के दौरान बीते साल की तुलना में 2.1 मिलियन टन अधिक कोयले का उत्पादन 5.5 मिलियन टन अधिक कोयला प्रेषण कर बिजलीघरों को काफी राहत प्रदान की है। कोल इंडिया की एनसीएल(8.4 प्रतिशत अधिक), डब्लुसीएल(68.9 प्रतिशत अधिक) एमसीएल (16.2प्रतिशत अधिक) और बीसीसीएल (0.6 प्रतिशत अधिक) कोयला उत्पादन करने में सफल रही है जबकि सीसीएल ने बीते साल नवम्बर में किये उत्पादन से भी 10.9 प्रतिशत कम, एसईसीएल ने 1.4 प्रतिशत और ईसीएल ने 49.2 प्रतिशत कम कोयले का उत्पादन किया है। कोल इंडिया चालू वित्तीय साल में नवम्बर माह तक बीते साल से लगभग 18.9 मिलियन टन अधिक कोयला उत्पादन कर चुकी है जो कोयला संकट के वर्तमान दौर में बेहद राहत की बात रही। वित्त वर्ष के इन शुरूआती आठ महीनों में कोल इंडिया ने 353.4 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जबकि बीते साल महज334.5 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन किया गया था। कोयला डिस्पैच में भी नवम्बर तक 64 मिलियन टन अधिक कोयला डिस्पैच कोल इंडिया ने किया है जिसके कारण देश के बिजलीघरों में औसत छः दिन से अधिक कोयला स्टाक अब मौजूद बताया गया है।

सूबे के बिजलीघरों में सुधरे हालात : नवम्बर में अधिक उत्पादन से सूबे के बिजलीघरों में भी हालात सुधरं है। उत्पादन निगम के अनपरा बिजलीघर में इस महीने में कोयला स्टाक 2.36 लाख टन से बढ़ कर 3.82 लाख टन पहुंच गया है। ओबरा बिजलीघर में भी 39 हजार टन से बढ़कर कोयला स्टाक पहली दिसम्बर को 89 हजार टन पहुंच गया है।